भविष्यवाणी की उलटी गिनती

नरक के बारे में खुशखबरी

एक आश्चर्यजनक तथ्य:

पोम्पेई और हरकुलेनियम के निवासियों को काफी चेतावनियाँ दी गई थीं। 62 ईसवी के आसपास, रोमन सैनिकों के बीच अपने धन और अय्याश मनोरंजन के लिए लोकप्रिय, ये इतालवी रिज़ॉर्ट शहर एक भूकंप से बुरी तरह हिल गए थे। अगले 17 वर्षों तक, ज्वालामुखी के आसपास अतिरिक्त कंपन होते रहे—और कुछ झरने तो सूख भी गये। फिर, 79 ईसवी में, एक भीषण विस्फोट ने दोनों शहरों को राख और झावे में दफन कर दिया। हजारों लोग मारे गए, और पोम्पेई और हरकुलेनियम अगले 1,600 वर्षों के लिए काल के गाल में समा गए। खुदाई 1748 में शुरू हुई, जिससे गंभीर मसीही उत्पीड़न के समय रोम में जीवन का स्पष्ट पता चला। शहरों की राख की परतों में अजीब सी गुहाओं को प्लास्टर से भर दिया गया; जब खुदाई की गई, तो उसने कठोर राख में दबे हुए शवों के भूरे, मुड़े हुए रूप प्रकट किए।

बाइबल की भविष्यवाणी हमें बताती है कि न्याय का एक और विस्फोटक दिन निकट आ रहा है जिसमें परमेश्वर सभी खोए हुए पापियों पर "अंगारे बरसाएगा": "आग और गन्धक और प्रचण्ड लूह उनके कटोरों में बाँट दी जाएँगी।" (भजन संहिता 11: 6)। "जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया" (प्रकाशितवाक्य 20:15)।

आज बहुत से लोग इस बात को लेकर गहराई से भ्रमित हैं कि दुष्टों की सज़ा के संबंध में बाइबल वास्तव में क्या सिखाती है। इस विषय को गलत समझने से परमेश्वर के बारे में आपकी अवधारणा बुरी

तरह विकृत हो सकती है। तो, आइए नरक की आग के विषय में सच्चाई जानने के लिए परमेश्वर के वचन की ओर रुख करें ...

» जब आपको कोई रिक्त स्थान दिखाई दे, तो लापता शब्द को देखने और उसे भरने के लिए अपनी बाइबल का उपयोग करें...

1 दुष्टों के विनाश के उदाहरण के रूप में कौन से दो शहर दिए गए हैं?

2 पतरस 2:6 *और _________________ और _________________ के नगरों को विनाश का ऐसा दण्ड दिया कि उन्हें भस्म करके राख में मिला दिया ताकि वे आनेवाले भक्तिहीन लोगों की शिक्षा के लिये एक दृष्टान्त बनें।*

यहूदा 1:7 *सदोम और अमोरा... आग के अनन्त _________________ में पड़कर दृष्टान्त ठहरे हैं।*

ध्यान दें: परमेश्वर ने उन दो दुष्ट शहरों को “अनन्त आग” से नष्ट कर दिया-उसी तरह की आग जो दुष्टों को नरक में नष्ट कर देगी। हम जानते हैं कि सदोम और अमोरा के शाब्दिक शहर, जो मृत सागर के किनारे स्थित थे, आज अभी नहीं जल रहे हैं।

2 दुष्ट लोग नरक की आग में कब नष्ट होंगे?

2 पतरस 2:9 *तो प्रभु... अधर्मियों को _________________ के दिन तक दण्ड की दशा में रखना भी जानता है।*

यूहन्ना 12:48 *जो वचन मैंने कहा है, वही _________________ _________________ में उसे दोषी ठहराएगा।*

मत्ती 13:40-42 *वैसा ही _________________ के _________________ में होगा। मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे ... कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे, और उन्हें आग के कुण्ड में डालेंगे।*

AMAZING FACTS INTERNATIONAL

प्रतिलिप्याधिकार © 2025 अमेजिंग फैक्ट्स इंटरनेशनल द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित
P.O. Box 1058, Roseville, CA 95678 | amazingfacts.org | AFTV.in | 800-538-7275 | पवित्रशास्त्र के उद्धरण हिंदी बाइबिल (बीएसआई) और (ऑनलाइन-बीएसआई) से लिए गए हैं।

ध्यान दें: उपरोक्त पद्यों में, बाइबल बताती है कि दुष्टों को आग में तब डाला जाएगा जब उनका न्याय समय के अंत में किया जाएगा-न कि तब जब वे मर जाएंगे। इसका मतलब यह है कि अब कोई भी नरक में नहीं है। यह उचित ही है कि किसी को तब तक दंडित नहीं किया जाना चाहिए जब तक उसके मामले का निर्णय न्याय में नहीं हो जाता। अन्यथा यीशु यह क्यों कहगा कि वह “हर एक के काम के अनुसार बदला देने” शीघ्र आनेवाला है? (प्रकाशितवाक्य 22:12).

3 यदि जो दुष्ट मर गए हैं वे अभी तक नरक में नहीं हैं, तो वे कहाँ हैं?

यूहन्ना 5:28, 29 *वह समय आता है कि जितने ________________ हैं वे ________________ शब्द सुनकर निकल आएँगे। ... जिन्होंने बुराई की है वे दण्ड के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे।*

अय्यूब 21:30, 32 *विपत्ति के दिन दुर्जन सुरक्षित रहता है ... तौभी वह ________________ को पहुँचाया जाता है, और लोग उस ________________ की रखवाली करते रहते हैं।*

ध्यान दें: बाइबल में कहा गया है कि जो दुष्ट मर गए हैं उन्हें सहस्राब्दी के अंत में पुनर्जीवित होने तक कब्र में आरक्षित रखा जाता है (प्रकाशितवाक्य 20:5। वे यीशु की आवाज को उन्हें बुलाते हुए सुनेंगे और नरक की आग से नहीं, बल्कि कब्र से बाहर आएंगे।

4 सभी लोगों के लिए केवल दो विकल्प क्या हैं?

यूहन्ना 3:16 *जो कोई उस पर विश्वास करे वह ________________ न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।*

रोमियों 6:23 *क्योंकि पाप की मजदूरी तो ________________ है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।*

ध्यान दें: पाप की सज़ा नरक की आग में अनंत जीवन नहीं है, बल्कि ठीक इसके विपरीत है—नरक की आग से अनंत मृत्यु। हम सभी पहली मौत मरते हैं (इब्रानियों 9:27), लेकिन बाइबल कहती है कि दुष्ट लोग “दूसरी मौत” “आग की झील” में मरेंगे (प्रकाशितवाक्य 20:14)। पहली मृत्यु से, सभी को पुरस्कार या दंड के लिए जिलाया जाता है; परन्तु दूसरी मृत्यु से पुनरुत्थान नहीं होता। यह अंतिम है।

इसके अलावा, लिम्बो (अनिश्चित अवस्था) और पर्गेटरी (शुद्धि का स्थान) की अवधारणाएँ पवित्रशास्त्र में नहीं पाई जाती हैं। बाइबल केवल दो विकल्प, दो संभावित नियति सिखाती है- अनन्त जीवन या अनन्त मृत्यु (व्यवस्थाविवरण 30:15)।

5 नरक की आग में दुष्टों का क्या होगा?

भजन संहिता 37:10, 20 *थोड़े दिन के बीतने पर दुष्ट रहेगा ही नहीं;...दुष्ट लोग ________________ हो जाएंगे; और ... वे धूएँ के समान ________________ हो जाएँगे।*

मलाकी 4:1, 3 *क्योंकि देखो, वह धधकते भट्ठे का सा दिन आता है,... सब दुराचारी लोग अनाज की खूँटी बन जाएँगे; और उस आनेवाले दिन में वे ________________ हो ________________ ... तब तुम दुष्टों को लताड़ डालोगे, वे तुम्हारे पाँवों के नीचे की राख बन जाएँगे।*

ध्यान दें: नरक की आग में दुष्ट पूरी तरह से भस्म हो जायेंगे। सिर्फ राख रह जाएगी।

6 नरक की आग कहाँ स्थित होगी?

2 पतरस 3:10 *तत्व बहुत ही तप्त होकर पिघल जाएँगे और ________________ और उस पर के काम जल जाएँगे।*

प्रकाशितवाक्य 20:9 *वे सारी ________________ पर फैल कर पवित्र लोगों की छावनी और प्रिय नगर को घेर लेंगी; और ________________ स्वर्ग से उतरकर उन्हें भस्म करेगी।*

ध्यान दें: नरक यहीं पृथ्वी पर होगा। आग की एक झील हमारे ग्रह को समा लेगी।

7 क्या शैतान नरक की आग का प्रभारी होगा?

प्रकाशितवाक्य 20:10 *उन का भरमानेवाला शैतान आग और गन्धक की उस झील में ... ________________ ________________ जाएगा।*

ध्यान दें: नहीं! नरक की आग का प्रभारी होना तो दूर, शैतान को इसमें डाल दिया जाएगा। आग की लपटें अंततः उसे “पृथ्वी पर राख” में बदल देंगी और उसके द्वारा भड़काए गए विद्रोह में अग्रणी भूमिका के लिए “दिन-रात” कष्ट सहने के बाद, वह अंततः “भस्म” हो जाएगा और “हमेशा के लिए नहीं रहेगा” (भजन संहिता 104:35: यहेजकेल 28:18, 19).

8 क्या नरक की आग कभी बुझेगी?

यशायाह 47:14 *वे भूसे के समान होकर ________________ से ________________ हो जाएँगे। वह आग तापने के लिये नहीं, न ऐसी होगी जिसके सामने कोई बैठ सके!*

ध्यान दें: पाप और पापियों के नष्ट होने के बाद, आग अंततः बुझ जाएगी। नरक की आग युगों-युगों तक नहीं जलेगी। जाहिर है, आग अंततः बुझ जाएगी, क्योंकि प्रभु कहता है, “तुम दुष्टों को लताड़ डालोगे, अर्थात् ... वे तुम्हारे पाँवों के नीचे की राख बन जाएँगे” (मलाकी 4:3)। पीड़ा का अनंत नरक पाप से छुटकारा पाना असंभव बना देगा। परमेश्वर की योजना पाप को अलग करना और उसे नष्ट करना है, न कि उसे कायम रखना! प्रकाशितवाक्य 21:5 कहता है, “देख, मैं सब कुछ नया कर देता हूँ।”

9 क्या बाइबल का वाक्यांश “कभी न बुझने वाली आग” यह नहीं दर्शाता है कि नरक की आग कभी नहीं बुझती?

मत्ती 3:12 *वह अपना खलिहान अच्छी रीति से साफ करेगा, और अपने गेहूँ को तो खत्ते में इकट्ठा करेगा, परन्तु भूसी को उस ________________ में ________________ जो बुझने की नहीं।”*

ध्यान दें: नहीं! कभी न बुझने वाली आग को बुझाया नहीं जा सकता, लेकिन जब यह सबकुछ जला देती है तो बुझ जाती है। उदाहरण के लिए, यिर्मयाह 17:27 चेतावनी देता है कि यदि परमेश्वर के लोग वफादार नहीं रहेंगे, तो वह यरूशलेम में आग जला देगा जो “फिर न बुझेगी।” और शास्त्र घोषणा करता है कि यह भविष्यवाणी पहले ही पूरी हो चुकी है! बाबुल के लोगों ने “यरूशलेम की शहरपनाह को तोड़ डाला, और आग लगा कर उसके सब भवनों को जलाया ..., और उसमें का सारा बहुमूल्य सामान नष्ट कर दिया। यह सब इसलिये हुआ कि यहोवा का जो वचन यिर्मयाह के मुँह से निकला था, वह पूरा हो” (2 इतिहास 36:19, 21)। वह आग तब तक बुझ नहीं सकती थी जब तक वह सब कुछ भस्म न कर दे; फिर वह बुझ गयी। यह आज नहीं जल रही है, भले ही बाइबल इसे “न बुझने वाली आग” कहती है।

10 क्या वाक्यांश “अनन्त अग्नि” का अर्थ कभी समाप्त न होने वाली नहीं है?

यहूदा 1:7 *जिस रीति से सदोम और अमोरा ..., आग के ________________ ________________ में पड़कर दृष्टान्त ठहरे हैं।*

ध्यान दें: हमें बाइबल को स्वयं समझाने देना चाहिए। इस पद्य में, हम देख सकते हैं कि सदोम और अमोरा को नरक के उदाहरण के रूप में “अनन्त आग” से नष्ट कर दिया गया था, लेकिन मृत सागर के किनारे के शहर अभी नहीं जल रहे हैं। वे राख में बदल गए (2 पतरस 2:6), जो अनन्त आग करती है। यह अपने परिणामों में अनन्त है। (इस पाठ के अंत में “धनी मनुष्य और लाजर” शीर्षक वाला पूरक देखें।)

11 जब प्रकाशितवाक्य 20:10 में कहा गया है कि दुष्टों को “युगानुयुग” तक पीड़ा दी जाएगी, तो क्या यह अंतहीन समय का संकेत नहीं है?

योना 2:6 *मैं ________________ के ________________ भूमि में बन्द हो गया था।*

ध्यान दें: नहीं। योना तीन दिन और तीन रातों तक बड़ी मछली के पेट में था (योना 1:17), फिर भी उसने कहा “सदा के लिए।” यह शायद सदा के लिए महसूस हुआ! प्रकाशितवाक्य 20:10 में “सदा के लिए” अनुवादित यूनानी शब्द आइयो है, जिससे हमें “इऑन” शब्द मिलता है। यह अक्सर समय की एक अनिर्दिष्ट अवधि, सीमित या असीमित का प्रतिनिधित्व करता है। बाइबल में “सदा के लिए” शब्द का प्रयोग किसी ख़त्म हो चुकी चीज़ के संदर्भ में कम से कम 50 बार किया गया है। एक उदाहरण में, “सदा के लिए” एक वफादार दास के जीवनकाल का वर्णन करता है (निर्गमन 21:6),

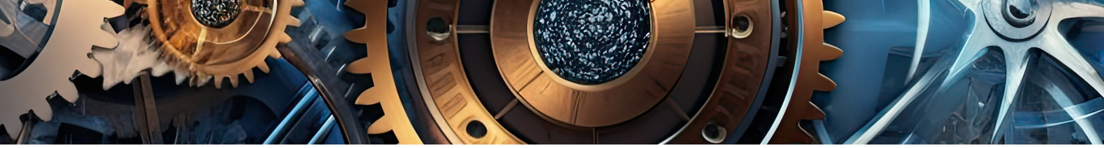

और दूसरे स्थान पर, “सदा के लिए” का अर्थ दस पीढ़ियाँ (व्यवस्थाविवरण 23:3) है। किसी व्यक्ति के संबंध में, “सदा” का अर्थ अक्सर “जब तक वह जीवित रहता है” (1 शमूएल 1:22, 28)।

12 क्या आत्मा और शरीर दोनों नरक में नष्ट हो जाते हैं?

मत्ती 10:28 *जो शरीर को घात करते हैं, पर आत्मा को घात नहीं कर सकते, उनसे मत डरना; पर उसी से डरो, जो ________________ और ________________ दोनों को नरक में नष्ट कर सकता है।*

ध्यान दें: कई लोग मानते हैं कि आत्मा कभी नहीं मरती, लेकिन परमेश्वर दो बार कहता है, “जो प्राणी पाप करे वही मर जाएगा।” (यहेजकेल 18:4, 20)। तो, यीशु के शब्दों के अनुसार, दुष्टों को नरक की आग में पूरी तरह से नष्ट कर दिया जाएगा-आत्मा और शरीर दोनों।

13 नरक की आग किसके लिये भड़काई जाएगी?

मत्ती 25:41 *हे शापित लोगो, मेरे सामने से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो ________________ और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है।*

ध्यान दें: आग का उद्देश्य शैतान, उसके दुष्ट दूतों और पाप को नष्ट करना है। यदि हम पाप की विपत्ति से दूर होने से इनकार करते हैं, तो हमें इसके द्वारा नष्ट होना होगा-क्योंकि यदि पाप नष्ट नहीं हुआ, तो यह फिर से ब्रह्मांड को दूषित कर देगा।

14 बाइबल परमेश्वर द्वारा दुष्टों के विनाश का किस प्रकार उल्लेख करती है?

यशायाह 28:21 *क्योंकि यहोवा ... वह अब फिर क्रोध दिखाएगा जिससे वह अपना काम करे, जो अचम्भित काम है, और वह कार्य करे जो ________________ है।*

ध्यान दें: परमेश्वर जिन्हें प्रेम करता है उन्हें नष्ट करने के विचार को बर्दाश्त नहीं कर सकता! “प्रभु नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो, वरन् यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले।” (2 पतरस 3:9)। वह उनसे लगातार कहता रहता है, “तुम अपने अपने बुरे मार्ग से फिर जाओ; तुम क्यों मरो?” (यहेजकेल 33:11). लोगों को नष्ट करना परमेश्वर के तरीकों से इतना अलग है कि नरक की आग

को उसका “अनोखा कार्य” कहा जाता है। यहाँ तक कि खोए हुए लोग भी स्वीकार करेंगे कि परमेश्वर की एकमात्र इच्छा उन्हें बचाना था (रोमियों 14:11)।

15 पाप और पापियों के नष्ट हो जाने के बाद, यीशु अपने लोगों के लिए क्या करेगा?

2 पतरस 3:13 *पर उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नए आकाश और __________________ __________________ की आस देखते हैं जिनमें धार्मिकता वास करेगी।*

प्रकाशितवाक्य 21:4 *वह उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा; और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, __________________ __________________ __________________ ; पहली बातें जाती रहीं।*

ध्यान दें: परमेश्वर इस शुद्ध की गयी दुनिया की राख पर नया स्वर्ग और एक नई पृथ्वी स्थापित करेगा। वह अनंत काल तक सभी जीवित प्राणियों के लिए आनन्द, शांति और अवर्णनीय खुशी का वादा करता है।

16 क्या पाप की समस्या फिर कभी उठेगी?

नहूम 1:9 *विपत्ति दूसरी बार __________________ न पाएगी।*

यशायाह 65:17 *मैं नया आकाश और नई पृथ्वी उत्पन्न करता हूँ; और पहली बातें __________________ न रहेंगी*

ध्यान दें: नहीं! वादा सटीक है। पाप फिर कभी नहीं उठेगा।

17 अय्यूब अपने सृजनहार की तुलना में मनुष्य के बारे में कौन-सा गहन प्रश्न पूछता है?

अय्यूब 4:17 *क्या नाशमान मनुष्य परमेश्वर से अधिक ________________ हो सकता है?*

ध्यान दें: यदि आपका बेटा कट्टर हत्यारा बन जाए तो क्या आपको लगेगा कि उसे सज़ा मिलनी चाहिए? आप शायद ऐसा करेंगे। लेकिन क्या आप चाहेंगे कि वह एक दिन के लिए भी आग में, भयानक पीड़ा में जीवित रहे? बिल्कुल नहीं। आप इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। न ही प्रेमी प्रभु अपने बच्चों को इतना प्रताड़ित होते हुए देख सकता है। यह सभी युद्ध अत्याचारों में से सबसे भयानक से भी बदतर होगा।

क्या परमेश्वर ऐसा है? सचमुच नहीं! पीड़ा का अनन्त नरक, प्रेम और न्याय के उसके चरित्र के बिल्कुल विपरीत होने के कारण, उसके लिए असहनीय होगा।

» आपका जवाब

किसी भी चीज़ से अधिक, यीशु चाहता है कि आप उसके गौरवशाली नए राज्य में निवास करें। वह चाहता है कि आप उस घर में वास करें जो उसने आपके लिए तैयार किया है। क्या अब आप उसके प्रस्ताव को स्वीकार करने का निर्णय लेंगे?

उत्तर: ________________

आगे का अध्ययन

धनी आदमी और लाजर

कई लोग धनी आदमी और लाजर के दृष्टांत का उपयोग यह साबित करने के लिए करते हैं कि लोग मृत्यु के बाद सीधे स्वर्ग या नरक में जाते हैं। हालाँकि, इस कहानी के लिए यीशु का इरादा यह नहीं था। उसने "नरक" के लिए जिस शब्द का इस्तेमाल किया वह "हेडीज़" था, जो यूनानी पौराणिक कथाओं में पीड़ा का स्थान था। सुनने वाले सभी यहूदियों ने समझा कि यीशु एक बात को स्पष्ट करने के लिए एक प्रसिद्ध मिथक का उपयोग कर रहा था। यदि हम लूका 16:19–31 पर करीब से नज़र डालें, तो हम तुरंत देखेंगे कि यह दृष्टांत उन प्रतीकों से भरा हुआ है जिन्हें कभी भी शाब्दिक रूप से नहीं लिया जाना चाहिए।

उदाहरण के लिए ...

- क्या बचाए गए सभी लोग इब्राहीम की गोद में जाते हैं? नहीं।
- क्या स्वर्ग और नरक में लोग एक दूसरे से बात करेंगे? नहीं।
- क्या पानी की एक बूंद नरक में जल रहे व्यक्ति की जीभ को ठंडा कर देगी? नहीं।
- क्या इब्राहीम यह तय करता है कि कौन बचाया गया है और कौन खो गया है? नहीं।

इस प्रकार, यीशु का कभी इरादा नहीं था कि इस दृष्टांत का उपयोग यह सिखाने के लिए किया जाए कि लोग मरने पर सीधे स्वर्ग या नरक में जाते हैं–यदि महान न्याय का दिन अभी भी भविष्य में है तो वे वहाँ कैसे जा सकते हैं? यूहन्ना 12:48 घोषणा करता है, "जो वचन मैं ने कहा है, वही अंतिम दिन में उसे दोषी ठहराएगा।"

तो, इस दृष्टांत का वास्तव में क्या मतलब है?

धनी आदमी यहूदी राष्ट्र का प्रतीक था, जो शास्त्रों का आनंद ले रहा था, जबकि द्वार पर भिखारी–अन्यजाति–परमेश्वर के वचन के लिए भूखे थे। यीशु ने दृष्टांत को इस टिप्पणी के साथ समाप्त किया कि "जब वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की नहीं सुनते, तो यदि मरे हुओं में से कोई जी भी उठे तौभी उसकी नहीं मानेंगे।" (लूका 16:31)। वास्तव में, यीशु ने बाद में लाजर नाम के एक व्यक्ति को मृतकों में से जीवित किया, और अधिकांश यहूदी नेताओं ने फिर भी विश्वास नहीं किया (यूहन्ना 12:9–11)।

ध्यान दें:

हमारे मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के
साथ बाइबल के महान सत्य की खोज करें
AMAZ!NG
BIBLE STUDIES
AmazingBibleStudies.com

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

भविष्यवाणी की उलटी गिनती

पाठ 5

5

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

P.O. Box 1058
Roseville, CA 95678
amazingfacts.org
AFTV.in